

वितरण आदेश क्रमांक ८

सन २००९-२०१०

स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजनेअंतर्गत  
विस्तार अधिकारी (उद्योग) व (एग्राविका)  
या पदावरील कर्मचाऱ्यांच्या  
भत्यावरील (वेतनेतर) खर्च भागविण्याकरीता  
अनुदान.

महाराष्ट्र शासन  
ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग  
शासन निर्णय क्र :- जिग्राप-२००९/प्र.क्र.६०/ योजना-५  
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२,  
दिनांक :- ३० मार्च, २०१०.

**शासन निर्णय:-**

स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना अंतर्गत विस्तार अधिकारी (उद्योग) व विस्तार अधिकारी (एग्राविका) या पदांचे मार्च, २०१० या महिन्याच्या वेतनेतर बाबींवरील खर्च भागविण्यासाठी सुधारित अंदाज २००९-१० द्वारे एकूण रू. ३,०२,०००/- (रुपये तीन लक्ष दोन हजार फक्त) एवढा निधी वित्त विभागाकडून प्राप्त झालेला असून सोबतच्या विवरणपत्रामध्ये दर्शविल्यानुसार जिल्हा ग्रामीण विकास यंत्रणा कार्यालयांना मंजूर करण्यात येत आहे.

२. सदर रकमा संबंधीत जिल्हा परिषदेचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यांच्याकडे आहरण व संवितरण अधिकारी म्हणून सुपूर्द करण्यात येत आहेत. जिल्हा ग्रामीण विकास यंत्रणेला विस्तार अधिकारी (उद्योग) व (एग्राविका) या पदावरील अधिकाऱ्यांच्या सहाय्यक अनुदाने (वेतनेतर) वरील खर्च भागविण्याकरीता हे अनुदान अदा करण्याचे अधिकार जिल्हा परिषदेच्या मुख्य कार्यकारी अधिकाऱ्यांना प्रदान करण्यात येत आहेत.

३. सदर खर्च ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग (मागणी क्र. एल-३) "२५०१-ग्रामीण विकासासाठी विशेष कार्यक्रम,०१- एकात्मिक ग्राम विकास कार्यक्रम,००१- संचालन व प्रशासन,(००) (०१) गट पातळीवरील यंत्रणा अधिक बळकट करणे ( २५०१०४६९) योजनेतर,३१- सहाय्यक अनुदाने (वेतनेतर) या लेखाशिर्षाखालील सन २००९-१०चे मंजूर तरतूदीतून भागवावा.

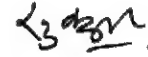
४. हे अनुदान ज्या प्रयोजनाकरीता मंजूर करण्यात आले आहे त्याच प्रयोजनाकरीता खर्च करण्यात यावे, अन्यथा ती वित्तीय अनियमितता समजण्यात येईल याची अमंलबजावणी करणाऱ्या अधिकाऱ्यांनी नोंद घ्यावी.

५. या शासन निर्णयान्वये मंजूर केलेले अनुदान बी.डी.एस.द्वारे सर्व जिल्हा ग्रामीण विकास यंत्रणांना अर्थसंकल्पीय वितरण प्रणालीद्वारे (बी.डी.एस.द्वारे) वितरीत करण्यात येत आहे. सदरहू अनुदान कोषागारातून काढल्यानंतर प्रकल्प संचालकांनी पुढील माहिती त्वरीत लेखा अधिकारी, का.क्र.योजना-२, यांच्याकडे पाठवावी. १) मंजूर केलेली रक्कम २) कोषागारातून काढलेली रक्कम ३) रक्कम काढल्याचा प्रमाणक क्रमांक व दिनांक

६. हा आदेश वित्तीय शक्ती नियम पुस्तिका १९७८ मधील भाग १ अनु. २७ नियम १४९ अन्वये प्रशासकीय विभागांना प्रदान करण्यात आलेल्या शक्तीअन्वये काढण्यात येत आहे.

७. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर [www.maharashtra.gov.in](http://www.maharashtra.gov.in) वर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संगणक सांकेतांक क्र. २०१००३३०१७४०७५००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,



(सुनिता जाधव)

कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन.

प्रत,

१. महालेखापाल (लेखा परिक्षा) व (लेखा अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र १ मुंबई
२. महालेखापाल (लेखा परिक्षा) व (लेखा अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र २ नागपूर
३. विभागीय आयुक्त व त्यांच्या कार्यालयातील विशेष कार्य अधिकारी, सर्व.
४. उप आयुक्त (विकास), विभागीय आयुक्तांचे कार्यालय, सर्व.
५. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद, सर्व.
६. प्रकल्प संचालक, जिल्हा ग्रामीण विकास यंत्रणा, सर्व.
७. जिल्हा कोषागार अधिकारी, सर्व.
८. मुख्य लेखा परीक्षक, स्थानिक निधी लेखा, कोकण भवन, नवी मुंबई.
९. सर्व उपमुख्य लेखा परीक्षक, स्थानिक निधी लेखा
१०. संचालक, लेखा व कोषागारे, मुंबई.
११. वित्त विभाग (व्यय -१५ / अर्थ-१६ )

शासन निर्णय क्र.जिग्राप-२००९/प्र.क्र.६०/योजना-५ दि. ३० मार्च, २०१०  
(वितरण आदेश क्र.८) सोबतचे सहपत्र

(रु.हजारात)

| अ.क्र. | जिल्ह्याचे नाव | मार्च २०१० वेतनेतर |
|--------|----------------|--------------------|
| १      | २              | ३                  |
| १      | ठाणे           | ११                 |
| २      | रायगड          | ९                  |
| ३      | रत्नागिरी      | ९                  |
| ४      | सिंधुदुर्ग     | ९                  |
| ५      | नासिक          | ९                  |
| ६      | धुळे           | ९                  |
| ७      | नंदुरबार       | ९                  |
| ८      | जळगाव          | ९                  |
| ९      | अहमदनगर        | ९                  |
| १०     | पुणे           | १०                 |
| ११     | सातारा         | ९                  |
| १२     | सांगली         | ९                  |
| १३     | सोलापूर        | ९                  |
| १४     | कोल्हापूर      | ९                  |
| १५     | औरंगाबाद       | ९                  |
| १६     | जालना          | ९                  |
| १७     | परभणी          | ९                  |
| १८     | हिंगोली        | ९                  |
| १९     | बीड            | ९                  |
| २०     | नांदेड         | ९                  |
| २१     | उस्मानाबाद     | ९                  |
| २२     | लातूर          | ९                  |
| २३     | बुलढाणा        | ९                  |
| २४     | अकोला          | ९                  |
| २५     | वाशिम          | ९                  |
| २६     | अमरावती        | १०                 |
| २७     | यवतमाळ         | ९                  |
| २८     | वर्धा          | ९                  |
| २९     | नागपूर         | ९                  |
| ३०     | भंडारा         | ९                  |
| ३१     | गोंदिया        | ९                  |
| ३२     | चंद्रपूर       | ९                  |
| ३३     | गडचिरोली       | १०                 |
| एकूण   |                | ३०२                |

(एकूण तीन लाख दोन हजार फक्त)

vitran\_aadesh\_march2010.xls

३३/३/१०  
[शु.कु.जाधव]  
अधीक्षक आविष्कारी